DEEBALI

WALL MAGAZINE

2025 - 2026 (I)

GYAN SURABHI

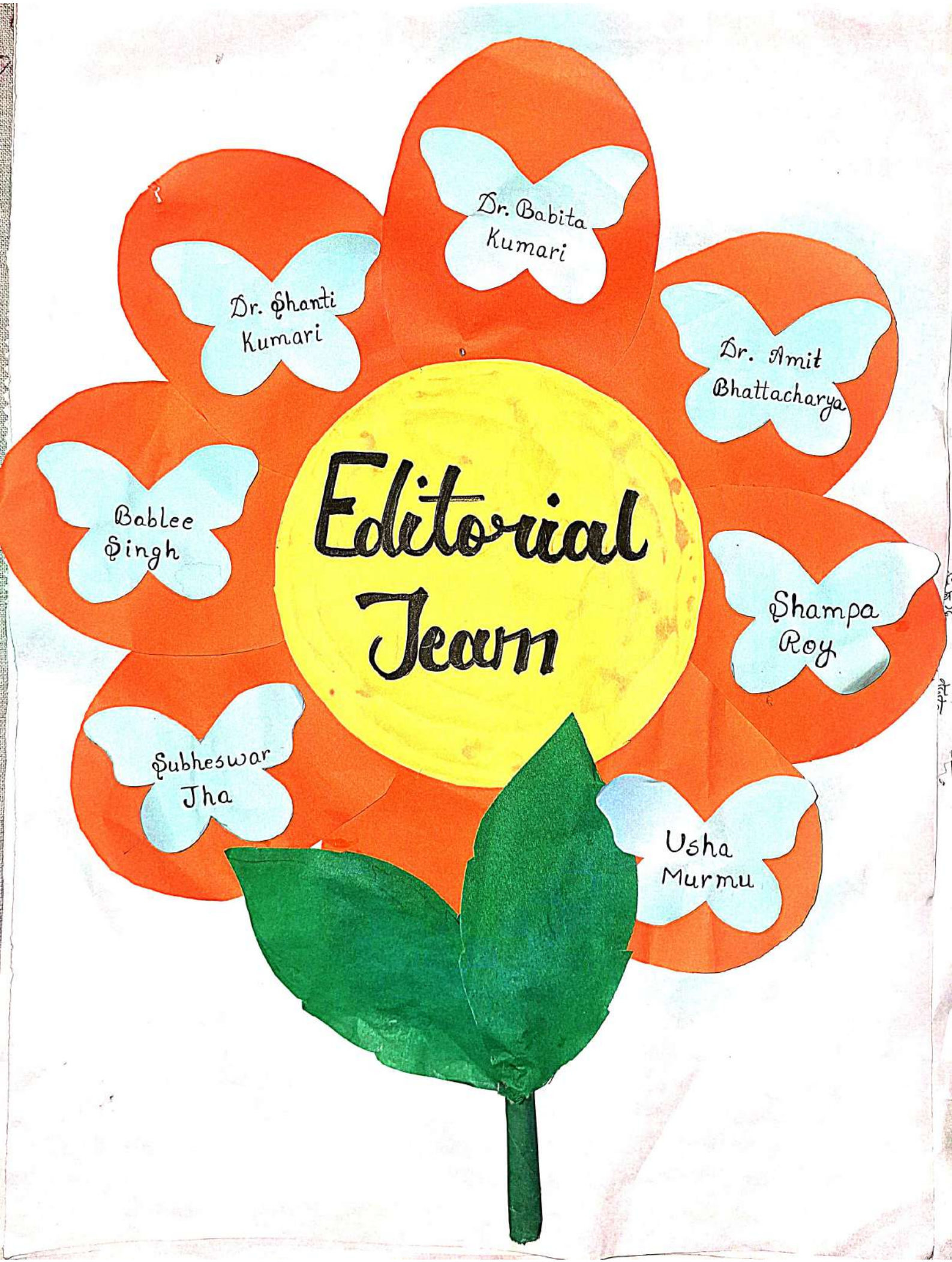
Editorial Team
Dr. Babita Kumari
Dr. Shanti Kumari
Dr. Amit Bhattacharya
Bablee Singh
Shampa Roy
Subheswar Jha
Usha Murmu

Acknowledgement

Alisha Hansdak (Magazine Secretary)
Kanak Nandani (Asst. Magazine Secretary)
Gladish Hembrom
Eva Anjali Besra
Manashree Layek
Pipu Hansdak
Sony Preeti
Neha Jha
Bindu Marandi
Sandhya Singh
Anisha Chatterjee
Komal Rani
Ankita Kumari
Tannushree

संपादकीय

अपने हाथों में प्रस्तुत है ज्ञान सुरभि का
यह नवीनतम विशेषांक ज्ञान केवल लेखन की
भी है अभिव्यक्ति है, बल्कि विचारों की एक सशक्त श्रृंखला
। इस अंक के माध्यम से हम आपको ज्ञान,
चिंतन और आत्मविकास की इस यात्रा पर आमंत्रित करते हैं
जहाँ पर पृष्ठ पर नए अनुभव और नई दृष्टि का संचार होता है।

आज का युग तकनीक और गति का है लेकिन इसके साथ ही यह विस्मृति और
विचलन का भी युग बनता जा रहा है, नैतिक मूल्य मानवीय संवेदनाएं और आत्मिक चेतना
जैसे विषय आधुनिक जीवनशैली में कहीं न कहीं गौण हो गए हैं। ऐसे समय में
ज्ञान सुरभि, जैसी पत्रिका का उद्देश्य केवल साहित्य का सृजन नहीं बल्कि समाज में
सकारात्मक ऊर्जा का विस्तार करना है।

यह पत्रिका एक ऐसा मंच है जहाँ विचारों को आकार मिलता है लेखनी को उद्देश्य मिलता है
और पाठकों को आत्ममंथन का अवसर प्राप्त होता है। इस अंक में हमने विशेष रूप
उन रचनाओं को स्थान दिया है जो न केवल प्रेरणास्पद हैं बल्कि जीवन में उपयोगी और
मार्गदर्शक भी हैं।

ज्ञान सुरभि का यह अंक विविध विषयों को समेटे हुए है - समाज शिक्षा, संस्कृति,
पर्यावरण, नैतिकता और आत्मिक विकास हमने यह प्रयास किया
है कि इसमें हर आयु और वर्ग के पाठकों को कुछ न
कुछ ऐसा अवश्य मिले जो उन्हें स्पर्श करे प्रेरित करे और
जीवन में सार्थकता जोड़े।

हम आभारी हैं उन सभी रचनाकारों के जिन्होंने इस विशेषांक को अपने
विचारों, कविताओं लेखों और कथाओं को समृद्ध बनाया। युवा लेखकों की
नवीन दृष्टि और अनुभवी साहित्यकारों की प्रौढ़ता - दोनों का संगम इस
अंक को विशिष्ट बनाता है। यह ज्ञान और अनुभूति का ऐसा
समागम है जो केवल पढ़ने का नहीं, आत्मसात करने का विषय
है।

हमारे देश की सांस्कृतिक विरासत, ज्ञान परंपरा और आध्यात्मिक
दृष्टिकोण ने सदैव विश्व को दिशा दी है।
ज्ञान सुरभि उसी परंपरा का एक आधुनिक विस्तार
है। हम प्रयासरत हैं यह पत्रिका भारतीय
मूल्यबोध को वर्तमान समय की आवश्यकताओं
के अनुरूप प्रस्तुत करें।

— धन्यवाद।

अगला संस्करण 'अभिनव कदम'।

Gyansurbhi

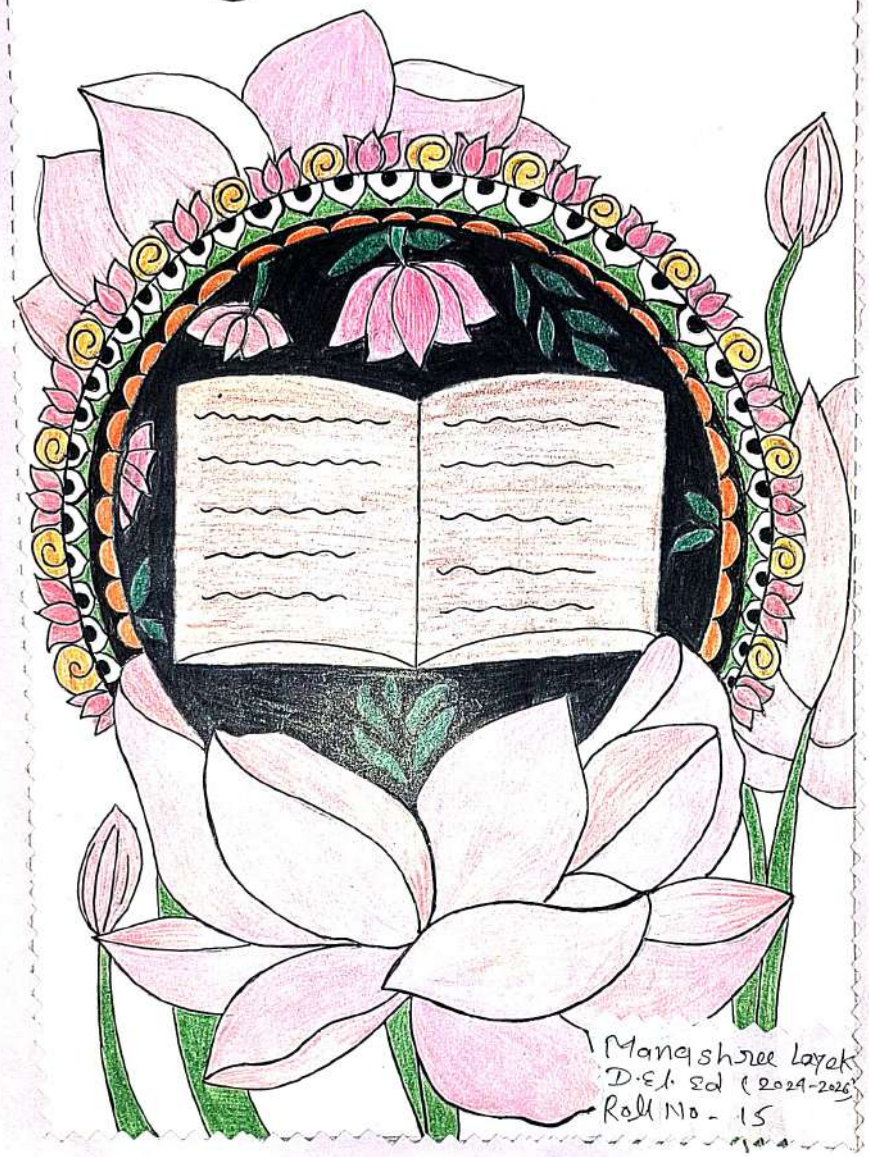

জ্ঞান সুরভি

জ্ঞান সুরভি, বহে সুবাস,
অন্ধকার ঘুচে, ফোটে আলোর আভাস।
মন ভ্রমরের গুঞ্জন ধ্বনি,
নতুন শিক্ষার পুলক বুনি॥

পুঁথি পাতায়, জ্ঞানের মেলা,
জীবনের পথে, প্রদীপ জ্বালা।
প্রতি পলে, নতুন খোঁজ,
সুরভি ছড়ায়, জ্ঞান রোজ॥

নতুন দিগন্তে, উঁকি দেয় আশা,
অজানাকে জানতে মনে জাগে তৃষা।
আলোক শিখা জ্বলে, চিরন্তন সত্য,
জ্ঞানই সেই শিক্ষা যা জীবনের
পরম গোবিত।

Bauda
B.ED (2023-25)

ज्ञान सुरभि

ज्ञान सुगंधि : ज्ञान की सुगंध
स्लोगन : "जहाँ विचार फूलों की तरह खिलते हैं।"

ज्ञान की सुगंधि केवल एक पत्रिका नहीं बल्कि विचारों का बगीचा है, जहाँ हर पृष्ठ पर ज्ञान की खुशबू बिखरी है। शिक्षा, विज्ञान, संस्कृति और आत्मविकास के क्षेत्रों में यह पत्रिका नई सोच और प्रेरणादायक कहानियों का संगम प्रस्तुत करती है। यहाँ प्राचीन ज्ञान आधुनिक दृष्टिकोण से मिलता है और हर उस जिज्ञासा को प्रज्वलित करता है।

"सच्चा ज्ञान वह है जो मन को नम्र और आत्मा को उज्ज्वल करता है।"

Name - Sunita Tudu
Class - B.Ed
Roll No - 14
Session - 2024-26

ज्ञान सुरभि

संपत्ति का उत्तराधिकारी
एक से अधिक हो सकते हैं,
लेकिन कर्म का उत्तराधिकारी
केवल हम स्वयं होते हैं.....!

&

दुःख भोगने वाला आगे सुखी हो सकता है, लेकिन दुःख देने वाला कभी सुखी नहीं हो सकता ...!

Name - Sushanna Soren
Roll - 22
B.Ed

ज्ञान सुरभि

Name - Kajal Kumari
Roll No - 115, B.Ed, Sem II 'C'

भूमिका :-

"ज्ञान" मनुष्य के जीवन की सबसे बड़ी पूँजी है और "सुरभि" का अर्थ होता है सुगंध। जब ज्ञान जीवन में सुगंध की तरह फैलता है, तो उसे "ज्ञान सुरभि" कहा जाता है। यह केवल एक सुंदर शब्द नहीं, बल्कि एक ऐसी सोच है जो समाज को प्रकाशवान, सुसंस्कृत और उन्नत बनाती है।

ज्ञान का महत्व :

ज्ञान हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है। यह केवल किताबी ज्ञान नहीं होता, बल्कि व्यवहार, नैतिकता, समझदारी और विवेक का मेल होता है। एक ज्ञानी व्यक्ति समाज को सही दिशा में ले जाने में सक्षम होता है।

सुरभि का अर्थ और उसका प्रतीक :

जैसे फूलों की सुरभि वातावरण को महकाती है, वैसे ही ज्ञान की सुरभि हमारे जीवन, परिवार और समाज को सुंदर बनाती है। जब कोई व्यक्ति सुशिक्षित होता है तो उसकी सोच, उसका व्यवहार और उसके निर्णय चारों ओर सकारात्मक प्रभाव छोड़ते हैं।

"ज्ञान सुरभि" का उद्देश्य है — हर व्यक्ति तक शिक्षा की पहुँच बनाना और जीवन में विवेक, नैतिकता और सहिष्णुता लाना। हमें चाहिए कि हम खुद भी ज्ञान प्राप्त करें और दूसरों तक भी इसकी सुगंध पहुँचाएँ।

ज्ञान सुरभि

इस मतलबी दुनिया को ध्यान से नहीं,
धन से मतलब है।
भजन से नहीं, भोजन से मतलब है।
व
संतसंग से नहीं, राग-रंग से मतलब है
सभी पूछते हैं कि घर, परिवार व
आधार कितना है,
कोई नहीं पूछता कि,
भगवान से कितना प्यार है ....!

Name - Anita Hansda
Roll No - 19
B.Ed

Gyan Surbhi

A meaningful life is not being rich, being popular, being highly educated or being perfect. It is about being real, being humble, being able to share ourselves and touch the lives of others. It is only then that we could have a full, happy and contented life.

Meena Hansda, Sec 'A', 48

ज्ञान सुरभि

आगोम रेयाग रेहेग आमगे
आमगे सांवताम जियाड़
दुलाड़ रेनाग झरना एनखान
आमखोन गे आड़ीआ।

धारोज लागिद् लोलो सितुंग
साहावाम् खुशी रास्का ते
रेगेच् तेतांग साहाव कातेम्
गेड़ाम कुलुन्च लांदा वाते।

आमगे लुखी आमगे साखी
आम् बोगते जुतात गे धरती
सोवता रेनाग् कुलिन् मेद्हा रे
आमगे रास्काम आड़ती।

दिसोम रेनाक् दुमुतर लागीम
आमगे दु:ख एम साहावा
बागीयाआम आनाम ओड़ाक्
आयो बाबा दुलाड़ेम साहाया।

मान सोमान् एम कृशियाय ताना
लाजात रागी आर लाड़हाय ते
सांवता रेयेम माजात आकान
आयो निसी आर खुशी सागाय ते।

Name - Preeti Murmu
Class - B.Ed. sec 'D'
Roll No - 175

ज्ञान सुरभि

सब कुछ सहती है, फिर भी चुप रहती है
अपना निवाला देकर, तेरा पेट वो भरती है
माँ ऐसी ही होती है
हाँ सच में माँ ऐसी ही होती है
सारे दुख झेलकर, खुश तुझे वो रखती है
अपना मानकर मन, तेरी जेब भरती है
माँ ऐसी ही होती है
नौ माह भीतर रख कर, तेरी लातें सहती है
फिर भी सारे काज करके, कितना दर्द सह लेती है
माँ ऐसी ही होती है
तेरी खुशियों के खातिर, दुनिया से लड़ पड़ती है
पर तेरी सलामती की दुआ रोज वो करती है।
माँ ऐसी ही होती है
हाँ सच में माँ ऐसी ही होती है

NAME :- NEHA KUMARI
R.NO :- 196
B.Ed

GYANSURBHI

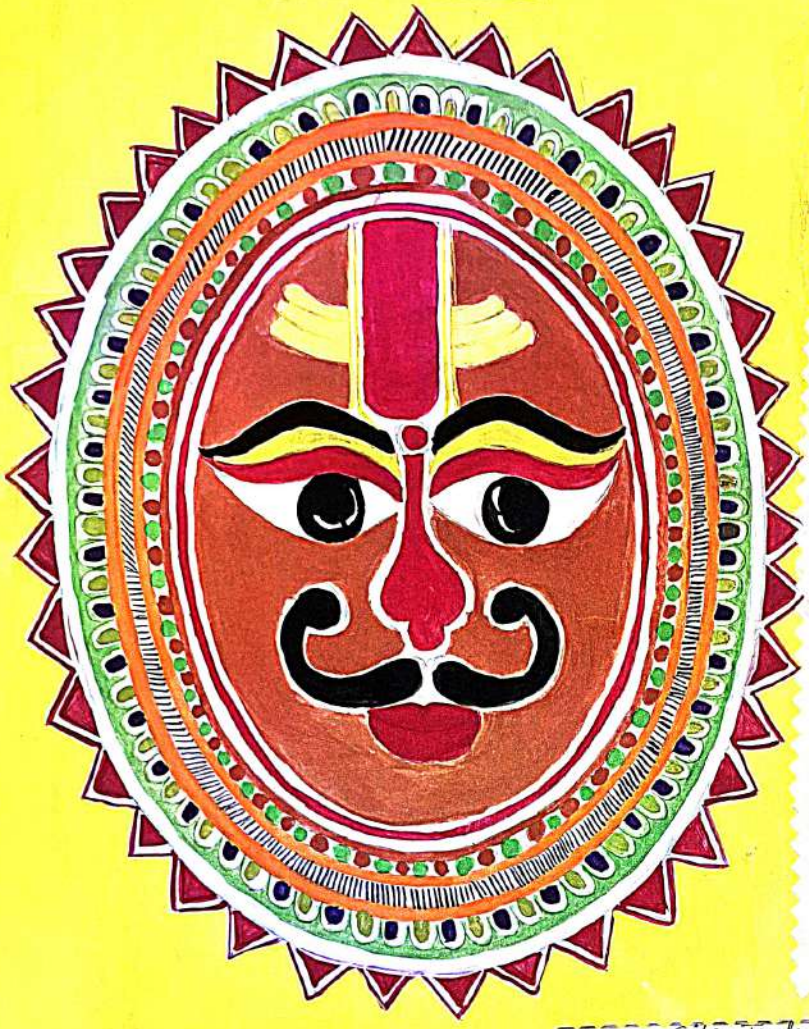

Name - Sita Tudu
Roll NO - 08, D.EL.ED
2023 - 2025

Name: Nimmi Namrata Soren
Class: D.El.Ed (1st year)
Roll no.: 19
Session: 2024-26

Gyan Surbhi

The best fragrance is the scent of water, the fragrance of dew and rain falling on plants. Water is the essential element, a source of life and energy. A Perfume that, like a garment, moves to suit the woman, her skin. A Perfume that embraces a women.

Pragya Kumari, Sec 'A' 27

Gyan Surbhi

Gyan surbhi represents the divine fragrance of knowledge that spreads wisdom, clarity, and englightement in every direction. Like the subtle scent of blooming flowers, true knowledge touches the soul gently but deeply, inspiring thought, reflection and growth. It transcend boundaries, guiding individuals on a path of righteousness and inner awakening. In a world often clouded by ignorance and confusion, Gyan Surbhi serves as a refreshing breeze purifying the mind, uplifting the spirit and reminding us of the eternal power of learning and truth.

Anisha Chatterjee
D.el.ed 1st year
Roll - 10

ज्ञान सुरभि

ज्ञान सुरभि, मंद समीर समान,
अज्ञात वन में दिखलाए गान।
पुस्तकों से उठे सत्य की गंध,
हर अक्षर खोले अद्भुत प्रबंध।

गुरु वचनों में करुणा का सार,
बोते जिज्ञासा, हो जीवन उद्धार।
प्रयोगों में तथ्यों का है प्रकाश,
वैज्ञानिक दृष्टि से जग का विकास।

कला रंगों में इसकी आभास,
संस्कृति आँगन में इसका वास।
यात्रा अनवरत, न कभी थके,
ज्ञान सुगंध जीवन महके।

आओ यात्री बनें इस राह के,
ज्ञान की सुनें हम आहटें।
यह ले जाएगी सत्य प्रकाश और,
जीवन महकाएगी हर एक ठौर।

Name - Sneha Singh
Roll - 65
Sec - 'B'

एक घटना जो अभी होके हटी है
जो कश्मीर की वादियों में घटी है
जहां हमें अबला समझ संदेश वाहक
जान कर छोड़ा गया
हमारे सबल होने के प्रमाण को तोड़ा
गया
ये सोच के हम नहीं कुछ के भी
काबिल हैं
ये सोच के कि हम बस कर सकते
अपनी दया में शामिल
मगर भूल गए वो आततायी की हम
रानी झाँसी के समान हैं
व्योमिका और कुरैशी आज भी हमारी
शान है।
हम रंग हैं हम ही रूप हैं हम ही देश
का त्यौहार हैं
हम भी एक किरदार हैं और उस
जगत में....
जीवन के आधार हैं।

Richa Kumari
sec. D R.No. 177

ज्ञानसुरभि – एक प्रकाश की वंदना

ज्ञान की सुरभि बहे, मन के उपवन में;
जैसे चाँदनी उतरे, शांत नव-कुंजन में।
शब्दों की खुशबू से, जीवन महके हर पल,
बुझते दीप जल उठें, जाग उठे हर संबल।

वेदों की वाणी में, उपनिषदों के स्वर,
ज्ञानसुरभि ले चले, शाश्वत सत्य के दर।
माया की धुंध हटे, जब अंतर नयन खुलें,
अज्ञान का तम हटे, नवप्रभा संग जलें।

ना धन की चाह रहे, ना मान की अभिलाषा,
जहाँ ज्ञान हो नित्य, वही सत्य की भाषा।
शिक्षा बने संस्कार, विवेक बने श्रृंगार,
हर हृदय में बहे बस, ज्ञानसुरभि अपार।

माँ सरस्वती का आशीष, सुरभित करे विचार,
जहाँ बुद्धि हो निर्मल, और मन हो सत्कार।
चलो बाँटें यह सुगंध, सबको करें प्रकाश,
ज्ञानसुरभि से हो सजे, यह सारा जग संसार।

Isha Kumari
B.Ed. Sem-II
"B" 53

संघर्ष में आदमी अकेला होता है, सफलता में दुनिया उसके साथ होती है, जब-जब जग किसी पर हँसा है, तब-तब उसी ने इतिहास रचा है

जो लोग अहंकारी है वे दूसरों से अच्छी बातें नहीं सीख पाते हैं, ज्ञान लेने वाला व्यक्ति गुरु और संत के सामने विनम्र रहेगा तो वह सारी बातें अच्छी तरह समझ सकता है।

Name :- Varsha Kumari
D.El.Ed 1st year
Roll no - 24

ज्ञान से ज्ञान का दीप जलाना है

सुबह सवेरे जागें हम बच्चों,
चलो स्कूल अब जाना है,

मंजन कर, स्नान फिर करके,
तैयार हमें हो जाना है.

पढ़ना है हमको मन लगाकर
बड़ों का मान बढ़ाना है.

खेल - खेल में सीख मिलेगी
कई खेल खेलते जाना है.

हमको अब पढ़ना है इतना
ज्ञान से ज्ञान का दीप जलाना है

खुशी कुमारी
D.El.Ed I^st
Roll n. - 33

ज्ञान सुरभि

ज्ञान सुरभि, वह मधुर और दिव्य ज्ञान जिसकी सुगंध जीवन को सार्थक बना देती है। जैसे इस इत्र की कुछ बूँदे पूरे वातावरण को महका देती है, वैसे ही सच्चे ज्ञान की थोड़ी-सी मात्रा भी हमारे विचारों, व्यवहारों और दृष्टिकोण को सकारात्मक बना सकती है। यह ज्ञान केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं होता, बल्कि अनुभव, संस्कार और नैतिक मूल्यो से जुड़ा होता है। जब हम ज्ञान को आत्मसात करते है, तो वह हमारे व्यक्ति में सुरभि की तरह फैलता है दूसरों को भी प्रभावित करते है।

यही है ज्ञान की असली शक्ति - प्रसारित होकर भी 'अनमोल' बने रहना।

नाम - आशी दास
रोल नं० - 29

ज्ञान सुरभि

ज्ञान की सुरभि बिखरे चारोंओर
अंधकार मिटे, जगे उजाला का भोर।
जगमगाए मन, बने विचार नवदीप
हर दिशा में बहे विवेक की स्नेह-सीप।

शब्दों में छुपी हो जैसे रोशनी
बुद्धि की धारा बहे अनमोल घनी।
हर प्रश्न का हो उत्तर सुलझा सा,
ज्ञान बने जीवन का मधुर अंश।

पुस्तकों की बगिया, फूलो की तरह
हर पृष्ठ पर खिलते भाव सुनहरे बह।
सीख का जल, मन की प्यास बुझाए,
ज्ञान सुरभि से चेतना महकाए।

चलो चलें उस राह पर सभी
जहाँ बहे सच्चाई की गंध अभी।
ज्ञान का दीपक मन मंदिर में जले,
हर आत्मा में रोशनी के स्वर खिले।

Name - Anuta Hansda
Roll No - 81
Section - 'B'

ज्ञानसुरभि

ज्ञान की सुगंध से महका ये आँगन,
ज्ञानसुरभि, तेरा है पावन बंधन।
अक्षर - अक्षर मे छिपी है जो ज्योति,
ज्ञान की ये धारा, कभी न हो खोती।

सीखो, समझो, बढ़ो तुम आगे,
ज्ञान का प्रकाश हर मन मे जागे।
सरस्वती की वीणा का मधुर ये गान,
ज्ञानसुरभि, तेरा ही तो है ये दान।

Name - Preety Sony Marandi
B.Ed Sem II
Section - 'B'

ज्ञान सुरभि

ज्ञान की सुरभि शाश्वत होती है,
यह समय के साथ नष्ट नहीं होती है
बल्कि अनुभवों के साथ और अधिक
महकने लगती है ॥
ज्ञान की सुरभि से ही
संस्कृति महकती है,
यह हमारी परंपराओं भाषा
साहित्य और जीवन
मूल्यों को जीवंत और
समृद्ध बनाती है।

Name - Sulekha Kumari
Class - B.Ed
Roll - 112
Sec - 'C'

ज्ञान सुरभि

ज्ञान सुरभि की मीठी बात
हर पन्ना दे गहरी सौगात
कहानी, कविता, संवाद प्यारे
सिखाते हैं हमको संस्कार सारे

पढ़ते-पढ़ते उड़ान भरे।
कल्पना के पंख सवाँरे।
नए शब्द की दुनिया देखी
मन में जागी भाषा लेखी

जो समझे शब्दों का मोल
वह पाए मन की अनमोल
पाठों में हैं रंग अनेक
सिखाते हैं जीवन के लेख।

बोल-चाल में ढंग सिखाया
हर भाव को सुंदर बनाया
हमने जाना, सीखा, गढ़ा
हर सवाल का उत्तर पढ़ा।

ज्ञान सुरभि है सच्चा साथी
राह दिखाए, बने विराठी
चलो बढ़ें हम साथ इसके
ज्ञान की राह में दीप बन सबके

Name - Sweta Tiwary
Class : B.Ed Sem-II
Roll - 107 'C'

Gyan Surbhi

"You have power over your Mind not outside events. Realize this and you will find strength."

Marcus Aurelius reminds us that true power lies within ourselves. By fousing on what we can control — our thoughts and actions — we unlock an Unshakeable inner strength."

Neha Kumari Sharma, Sec. C, 101

ज्ञान सुरभि

हर प्रश्न का है यहाँ उत्तर
ज्ञान सुरभि नहीं है निरुत्तर
मन में रखो बस लगन की आग,
ज्ञान से मिटाओ हर दाग

सीखते चलो, सिखाते चलो,
ज्ञानसुरभि का दीप जलाओ।
हर मन हो ज्ञान से प्रकाशित,
यही है हमारा लक्ष्य निश्चित।

Name: Sujata kumari
Rollno: 118
Section: 'C'
Class: B.Ed.

ज्ञान सुरभि

* अगर लोग जरूरत पड़ने पर ही आपको याद करते है, तो उन्हें गलत या मतलबी मत समझिए क्योंकि आप उनकी जिंदगी की वो रोशनी की किरण है, जो सिर्फ उन्हें अंधेरे में ही दिखाई देती है।
* वृक्ष में प्रतिदिन पानी देना होता है, लेकिन फल मौसम अनुसार ही आते हैं इसलिए जीवन में धैर्य रखें क्योंकि हर काम समय पर ही होता है।
* मौन सबसे अच्छा उत्तर है किसी ऐसे व्यक्ति के लिए जो आपके शब्दों को महत्व नहीं देता !!

Name- Annpurna kumari
class - D.EL.ED 1st year
Roll - 06

ज्ञान सुरभि

जो हम दूसरों को देंगे वही लौटकर हमारे पास आएगा"
चाहे वह इज्जत हो, सम्मान हो या फिर धोखा,
जो व्यक्ति हर वक्त दुःख का रोना रोता है,
उसके द्वार पर खड़ा सुख भी बाहर से लौट जाता है।

Whatever we give to other will come back to us. whether it is respect, honour or betrayal.
The person who cries about sorrow all the time, even the happiness Standing at his door goes back from outside.

Name - Rishu kumari
Sec - 'D'
Roll No - 181

ज्ञान सुरभि

"ज्ञान वह दीपक है, जो अंधकारमय जीवन को रोशन कर देता है"

जो समय को पहचानता है, वही जीवन में आगे बढ़ता है"

"हर हार एक सीख है, और हर सीख एक नया अवसर"

"असफलता केवल एक पड़ाव है मंजिल नहीं"

Name Anamika Hembrom
class - B.Ed, 'A'
Roll no - 25

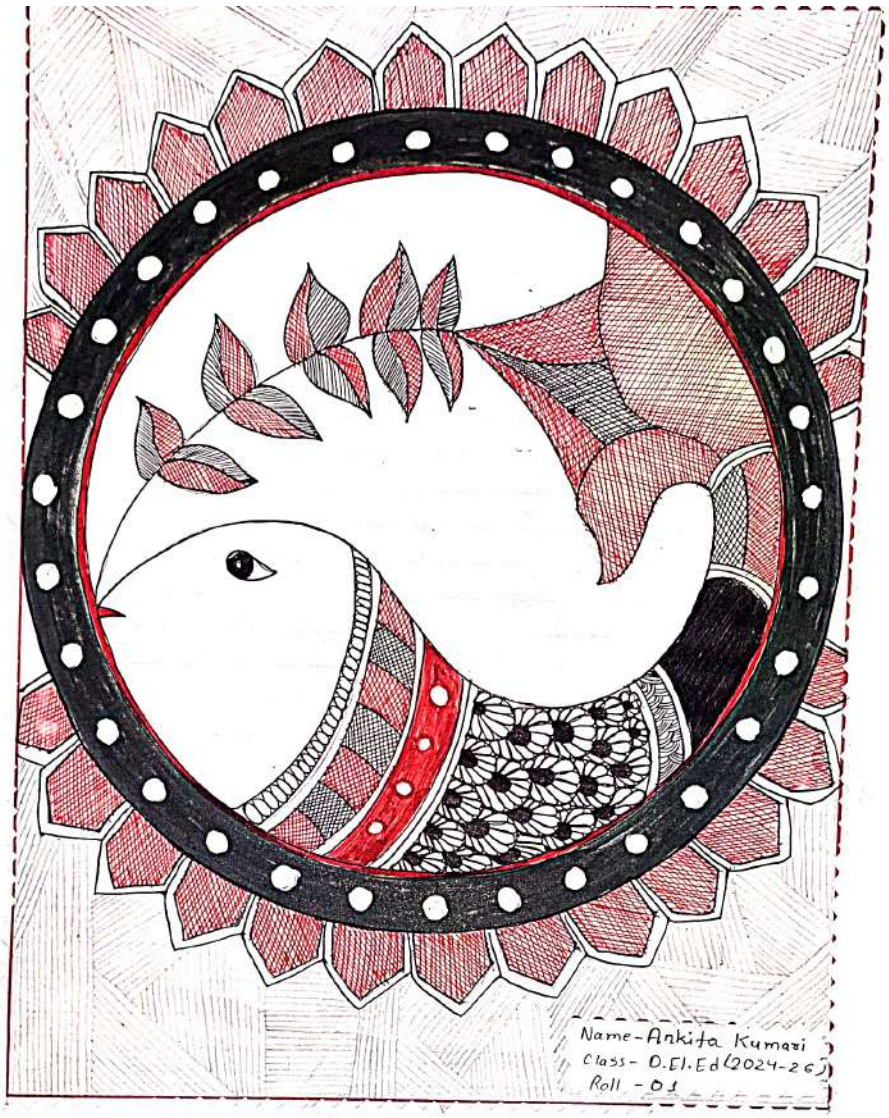

मौन सुरक्षा

कोई कुछ भी बोले स्वयं
को शांत रखो, धूप
कितनी ही तेज हो समुद्र
सुखा नही करते !!

भगवान श्री कृष्ण कहते है
माँ-बाप के बाद सिर्फ
हिम्मत ही मनुष्य का
साथ देती है,
जो मनुष्य को कभी हारने
नही देती।

Priti Kumari, Sec 'D', 167

कविता

क्या खोजते हो दुनिया में,
जब सब कुछ तेरे अंदर है।
क्यूँ देखते हो औरों में,
जब तेरा मन ही दर्पण है।

दुनिया बस एक दौड़ नहीं,
तू भी अब नहीं है थका।
रूक कर खुद से बातें करले,
अन्तर मन को शांत तो करले।

सपनों की गहराई समझो,
अपने अंदर की अच्छाई समझो।
स्वाध्याय की आदत डालो,
जीवन को तुम सुख कर जीलो।

आलस्य तुम्हारा दुश्मन है तो,
पुरूषार्थ को अपना दोस्त बना लो।
जीवन का, ये रहस्य समझ लो,
और खुशियों से तुम नाता जोड़ो।

Name - Mahima Murmu
Class - B.Ed Sem II
Roll No. - 17
Session - 2024-26

ज्ञान सुरभि

"ज्ञान वह मार्ग है जो मनुष्य को सही दिश की ओर उन्मुख करता है। जीवन में तथ्यों को जानने की समझ प्रदान करता है।"

"ज्ञान वह दीया है जो जीवन में प्रकाश फैलाता है, जिसके आलोक से जीवन में उजाला हो जाता है।"

Name - Namita Soren
Roll no - 50
Sec - 'A'
B.Ed Sem 2

ज्ञान सुरभि

ज्ञान मानव जीवन का सबसे अमूल्य रत्न है। जिस प्रकार पुष्पों की सुरभि वातावरण को सुगंधित करती है, उसी प्रकार ज्ञान की सुरभि हमारे जीवन को आलोकित करती है। "ज्ञान सुरभि" का अर्थ है— ज्ञान की वह मधुर सुगंध जो मनुष्य को अज्ञानता के अंधकार से निकालर सत्य, विवेक और प्रकाश की ओर ले जाती है।

Name - Sneha Kumari
Class - B.Ed. Sec-'A' Sem-II
Roll No. - 02

ज्ञान सुरभि

"ज्ञान की असली सुगंध वही है, जो मन को विनम्र और दृष्टि को विस्तृत कर दे"।

जहाँ शिक्षा, विज्ञान, संस्कृति और आत्मविकास की सुगंध हर पृष्ठ पर बिखरी है।
यहाँ हर लेख एक नया दृष्टिकोण और हर कहानी एक नई प्रेरणा देती है।
यह केवल जानकारी नहीं, बल्कि विचारों का वह अमृत है जो मन को समृद्ध और आत्मा को उज्जवल करता है।

Name - Sushanti Marandi
Class - B.Ed (Sem - II)
Roll no - 146
Sec - 'C'

जब बेटी

जिद उसकी हठीली है,
लड़की छैलछबीली है।
नाजुक सा पंख है वो,
गुड़िया रंग रंगीली है।

छुपना छुपाना उसका,
मन मन मुस्काना उसका।
आँखें फिर दिखाना उसका।।

वो एक दीयाबाती है जिससे
जिन्दगी जगमगाती है।
मेरी रूह चैन पाती है,
जब बेटी गले लग जाती है।।

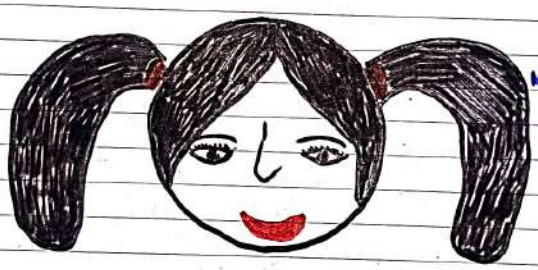

NAME= ANSHU PRIYA
ROLL= 49
D.El.Ed 1st year

Gyan Surbhi

Knowledge is what we seek on earth
Hidden from men without understanding
Written in many languages.
To solve the Problems of mankind
Knowledge is power
Knowledge is magic
He who obtains it, obtains a good thing
To him who ignores it.
Makes himself a fool to the world.

Gladish Hembrom, Sec 'B', 64

माँ के चरणों में जो सुख है,
स्वर्ग में भी है कहाँ
माँ की महिमा गाते भगवान,
माँ से जन्मे सब यहाँ
माँ से ही संसार है,
माँ से ही परिवार है.
माँ से बढ़कर कौन,
माँ के बिन सब गौण

— Priyanka Kumari
Roll no - 93
Sec - B

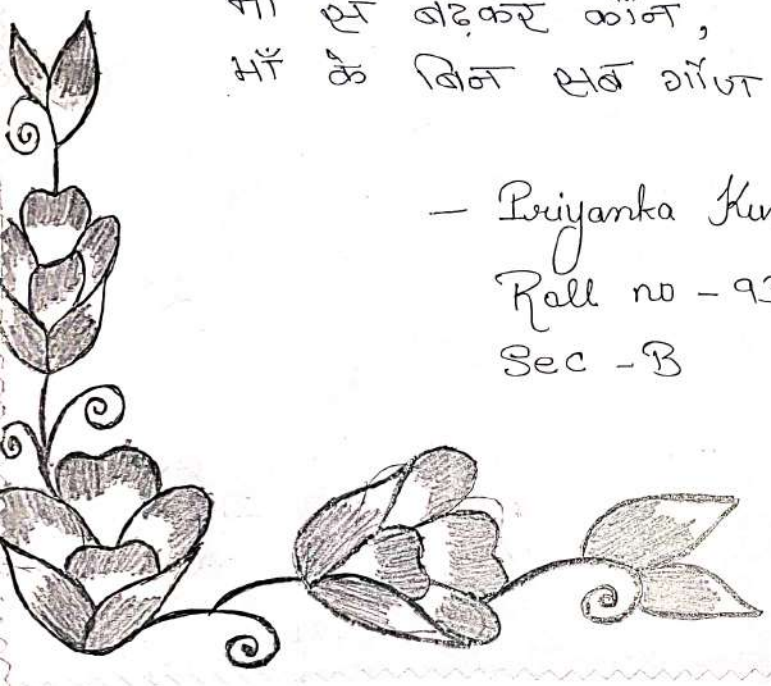

अभिव्यक्ति

तू
जिंदगी को जी
उसे समझने की
कोशिश न कर
चलते वक्त के साथ
तू भी चल
उसमें सिमटने की
कोशिश न कर

सुन्दर सपनों के
ताने बाने बुन
उसमें उलझने की
कोशिश न कर

अपने हाथों को फैला,
खुल कर साँस ले
अंदर ही अंदर घुटने की
कोशिश न कर

कुछ बातें
भगवान पर छोड़ दे
सब कुछ खुद सुलझाने की
कोशिश न कर

Name- Babita Kumari
Class- D.El.Ed 1st yr.
Roll no - 13
Sec- 2023-25

ज्ञान सुरभि

ज्ञान की सुरभि फैली है, जीवन के हर द्वार,
अंधकार मिटा देती है, बनती है उजियार।
पुस्तक की हर पंक्ति मे, छिपा अमूल्य खजाना,
सीख से जो नाता जोड़े, वही है सच्चा दीवाना।
गुरू का वचन सुगंधित फूल, बुद्धि की बगीया महकाएँ,
संस्कारों की सरिता में, ज्ञान दीपक जलाएँ।
चलो चलें उस पथ पर, जहाँ विचारों की रोशनी हो,
हर हृदय में प्रेम पलें, और वाणी में विनय बसी हो।
ज्ञान न हो केवल शब्दों का, बन जाए आचरण,
सच की राह दिखाए हमें, कर दें अंतर्मन पावन।

Name- Nishu kumari
Class- B.Ed, Sem-2
Sec- C
... 116

ज्ञान सुरभि

" ज्ञान एक ऐसी सुरभि है, जो न आँखों से देखती है, न हाथों से छुई जाती है - पर आत्मा को महका देती है।

नाम - प्रोमिला सोरेन
रोल नं. - 40
क्लास - B.Ed.

ज्ञान सुरभि

"ज्ञान सुरभि" केवल एक विचार नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है। यह हमें बेहतर इंसान बनने की प्रेरणा देती है। हमें सदैव ज्ञान की खोज में लगे रहना चाहिए और उसकी सुरभि से अपने जीवन को तथा समाज को महकाना चाहिए।

Name - Isha Bharadwaj
Roll No. - 12
Class - B.Ed. Sem-II
Sec - A

ज्ञान सुरभि

झाँक रहे हैं इधर उधर सब,
अपने अंदर झाँके कौन...
ढूंढ रहे दुनिया में कमियाँ,
अपने मन में ताके कौन...
सबके भीतर दर्द छुपा है,
उसको अब ललकारे कौन...
दुनिया सुधरे सब चिल्लाते,
खुद को आज सुधारे कौन...
पर उपदेश कुशल बहुतेरे,
खुद पर आज विचार कौन...
हम सुधरे तो जग सुधरेगा,
यह सीधी बात उतारे कौन...

Neha Kumari
Roll-192
B.Ed

Gyan Surbhi

Knowledge flow like a river bright,
Guiding minds to endless light.
Every lesson sparks of flame,
Igniting dreams with Wisdom's name.

Learning Whispers through the air,
filling hearts with throughout so rare.
Step by step, the journey grows,
A path where endless wonder flows.

Minakshi Kumari, Sec-'B', 42

Gyan Surbhi

Let Gyan bloom in every mind,
A treasure rare for all to find.
Let classrooms glow, and pages shine,
With thoughts that climb, with truths divine.

It's not just books or endless love,
But how we think, and seek for more.
It asks us not to just repeat,
But rise, reflect, and not retreat.

From fields to labs, from stage to street,
Where questions burn and passions meet-
There flows a scent so strong and true
The surbhi born when minds break through.

So let each child, each soul arise,
And see the world with wiser eyes.
For every spark of truth we earn
Becomes the touch for those who learn.

Deepshikha Murmu
B.Ed Sec-'A', 37

علم کی خوشبو

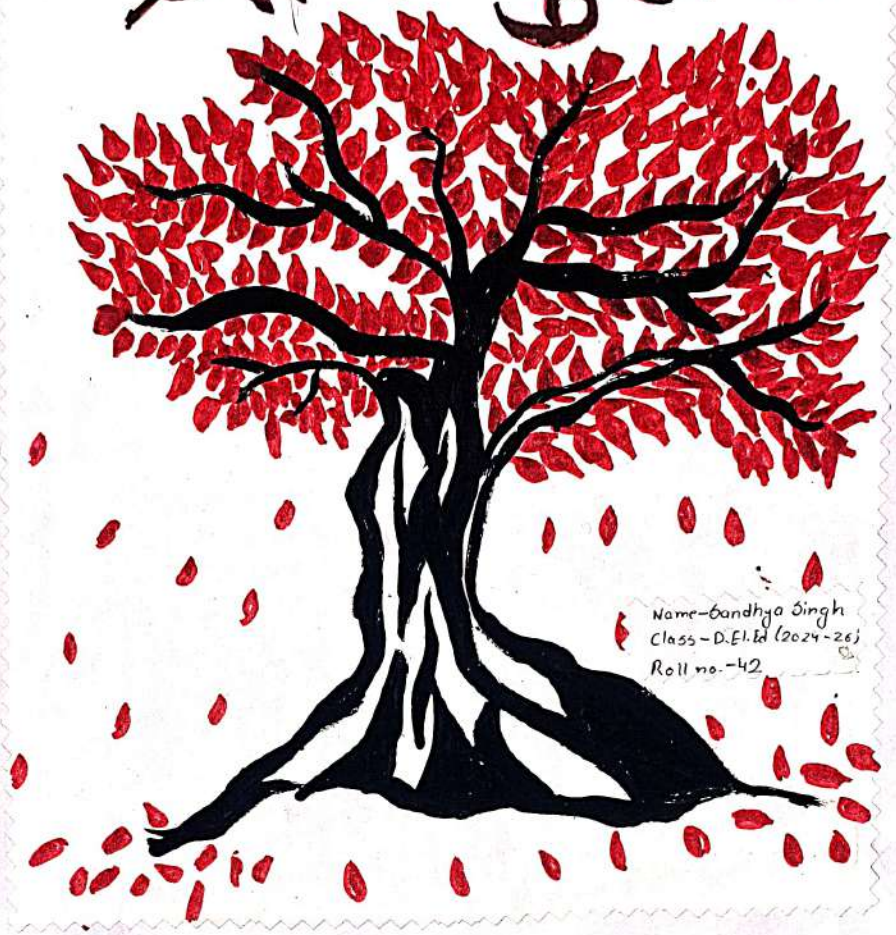

اٹھا جو نور علم سے پردۂ شب
چمکتے ہوئے خواب بن گئے سفر

نہ تھا کوئی راہی، نہ تھا راہ گزر
مگر علم بنا روشنی کا سفر

ستاروں سے آگے جو رکھ دے نشان
وہی ہے حقیقت وہی ہے زبان

نہ سونا رہے دل، نہ خالی نظر
علم سے ہوتی ہے روح کی ڈگر

کتاب ایک پیغام ہے فطرت کا
حرف حرف میں رنگ ہے حکمت کا

خاموشی میں بھی ہے ایک سوزِ سخن
جو جیت لے ہر دشت و چمن

سبق ہے یہ علم، صبر اور یقین کا
نظامِ وجود کی ہر ایک بینا کا

— Sana Rehmani
B.Ed.
(2023-25)

Gyan Surbhi

Gyan Surbhi, a sacred stream,
where wisdom dances, thoughts redeem.
Each word a sparkle, each line a flame,
lighting hearts in learning's name.

Books and Voices blend as one,
Under the sky, beneath the sun.
A world where questions find their way,
And answers rise like break of day.

So let it spread, this scented
breeze, Across the land, across the
seas.
For it glows, we rise and see —
The boundless gift of Gyan Surbhi.

Eva Anjali Besra, Sec 'A', 38

ज्ञान सुरभि

शेहोय जोड़ में सानाम नाना हुनार दारे
उल, कान्ठाड़, जोजो धारे - धारे
दारे साकाम नावाँक् मोने नावाँक्
जिवी - जिवी नावाँक शहा शवाँक्
जेलते सागेनोकआ होड़मो दारे
दारे शेहोयु रेंगे जुतुम शेहोय
गोले बेले तेगेज बिवाड़ दोहोय
दुलाड़ आमो - बाँदो आखाड़ा रे
शेहोय जोड़ में सानाम नाना हुनार दारे
उल, कान्ठाड़, जोजो धारे - धारे

NAME: MISHA HEMBROM
R.NO :- 163

ज्ञान सुरभि

ज्ञान है जीवन की ज्योति,
ज्ञान है उन्नति का पथ,
ज्ञान है मानव की शक्ति,
ज्ञान है सुख का रथ।

ज्ञान से मन हो जाता है प्रकाशित,
ज्ञान से जीवन हो जाता है सुखी,
ज्ञान से समाज हो जाता है उन्नत
ज्ञान से राष्ट्र हो जाता है शक्तिशाली

ज्ञान सुरभि फैलाओ,
ज्ञान का प्रकाश करो,
ज्ञान से समाज को उज्जवल बनाओ,
ज्ञान से जीवन को सफल बनाओ।

Alpana Soren, Sec-'C', 130

ज्ञान सुरभि

अपनी हौंसलों के बल पर हम
अपनी प्रतिभा दिखा देंगे !

भले कोई मंच ना दे हमको
हम मंच अपना बना लेंगे !

जो कहते खुद को सितारा है
जगमगा कर उनके सामने है !

चमक कर देंगे उनकी फीकी
और सूरज खुद को बना लेंगे।

— Jyoti Kumari
Roll no - 90
Sec - B

शिक्षा वह नींव है
जिसपर हम अपने
भविष्य का निर्माण
करते हैं !

NAME -
Rakhi Kumari
Roll NO - 104
Sec - 'C'

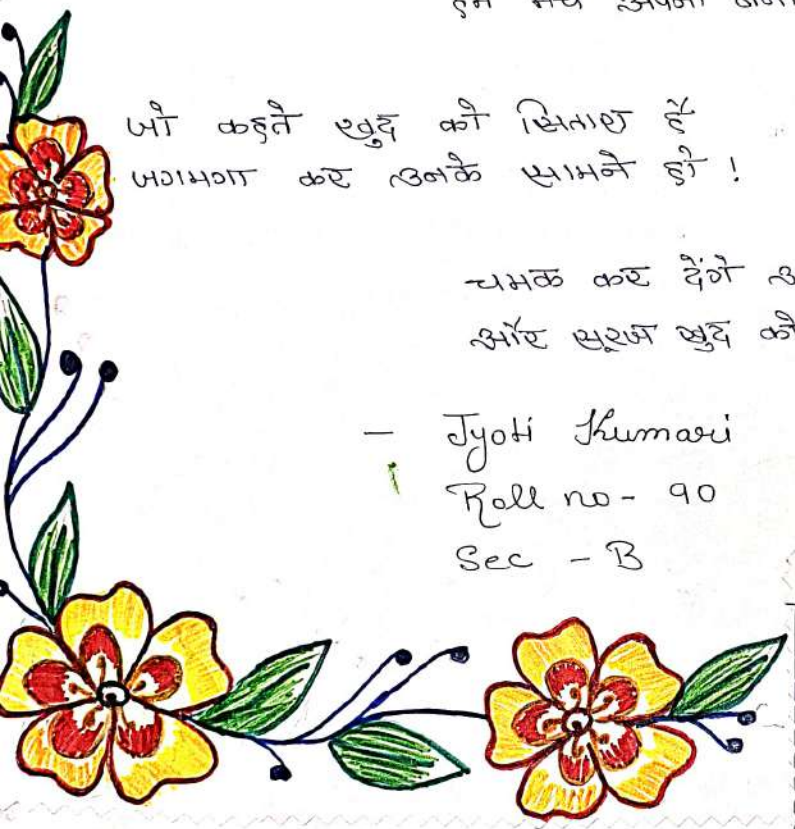

ज्ञान सुरभि

ज्ञान की सुगंध से महका यह आँगन,
विद्या की देवी का यहाँ होता वंदन।
हर मन में जिज्ञासा की ज्योति जगाती,
अज्ञान के तिमिर को पल में मिटाती।
सरस्वती का वरदान है यह सुरभि,
ज्ञान की प्यास बुझाती है हर घड़ी।
जीवन को आलोकित करती यह ज्ञान धारा।

Name - Nishu Bhardi
Class - B.Ed (Sec. B)
Roll No. - 75

Gyan Surbhi - The Fragrance of Knowledge

In silent minds where stillness grows,
A gentle wind of wisdom blows.
Not seen, yet felt - a sacred birth,
A scent that circles all the earth.

It rises not from bloom or bough,
But from the thoughts that seek the how,
From ancient books to whispered lore,
It opens minds, unlocks the door.

Like jasmine drifting on the breeze,
It moves through hearts with quiet ease.
No walls can blind it, nor delay -
It lights the dark, it clears the way.

The fragrance pure, the essence deep,
It wakes the soul from slumbered sleep.
A lamp that burns, yet never dies,
A flame beneath the starry skies.

Name - Smriti Priya
Roll - 39
Course - B.Ed Sem II
Sec - A.

Thank You